>

Title: Need to develop the infrastructure to operate all the rake points of Railways for supply of fertilizers in Madhya Pradesh.

श्री मकनसिंह सोलंकी (खरगौन): सभापति जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मध्य प्रदेश में 70 प्रतिशत आबादी कृषि अर्थव्यवस्था पर आश्रित है। मध्य प्रदेश में रासायनिक उर्वरक की खपत राष्ट्रीय औसत से बहुत नीचे है और लगभग 83 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। उर्वरकों का कम उपयोग जहां मध्य प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन को प्रभावित करता है, वहीं दूसरी ओर किसानों की आय को भी प्रभावित करता है। मध्य प्रदेश रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति प्रमुखता रेलवे रेक से होती है। मध्य प्रदेश में 66 रेक पाइंट हैं। उनमें से आधे रेक पाइंट घोषित हैं। इनमें से केवल 32 रेक पाइंट आपरेट हो रहे हैं और 34 पर आपूर्ति नहीं हो रही है। उनमें मूलभूत सुविधा का नितांत अभाव है और वे पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं। रेलवे विभाग द्वारा घोषित 34 रेक पाइंट पर भी आपूर्ति नहीं हो पा रही है। मेरे संसदीय क्षेत्र खरगौन बड़वानी से लगा हुआ महाराष्ट्र का गोंडाचा भी कार्यरत नहीं है। इंदौर, मेघनगर, खंडवा और उनाचा में आधारभूत रचनाओं की व्यवस्था करने के साथ ही उनकी क्षमता बढ़ाना भी अति आवश्यक है। रेक पाइंट पर आधारभूत रचनाओं के अभाव के कारण वर्षाकाल में उर्वरकों की अनलोडिंग एवम् रखरखाव में कठिनाई होती है। उर्वरक नष्ट हो जाते हैं तथा जमीन की पूर्ण उत्पादक क्षमता का उपयोग भी नहीं हो पाता है। ऐसी स्थिति में अति आवश्यक है कि रेल विभाग वहां बंद पड़े सभी रेक पाइंट तत्काल प्रभाव से प्रारम्भ कराए और संचालित रेक पाइंट पर आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाए।